मेरे शकरा भोलेनाथ जी | By Shagufta

मेरे शंकरा भोलेनाथ
मेरे शंकर शम्भू नाथ

मेरे शंकर तेरी जटा में मन खो गया
तेरी गंगा मिलकर मन ये चंदा हो गया
मेरे शंकरा भोलेनाथ .....

हिमालय की हिम जैसे तन पे भस्म रमाई है
सूरज की किरणों के जैसे जटा पे गंगा छाई है
गले में डाले सर्प है, मुकुट पे तेरे चंद्र है
रुण्डमाल को देख मन तेरा हो गया
मेरे शंकरा भोलेनाथ .....

तीनो लोक के स्वामी भोले आप ही महाकाल हो
नाथ हो आज़ाद के भक्तों के तुम प्रतिपाल हो
तीन मुख त्रिनेत्र है प्रमाणड तेरा चैत्र है
विष पिया और नीलकंठ तू हो गया
मेरे शंकरा भोलेनाथ .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-shagufta/